Ankur's Upload

चेला

किंग कॉमिक्स

मूल्य 7.00 पृष्ठ 15

RFN
RAJ COMICS FAN NATION

Ankur's Upload

जुल्म कहीं भी हो सकता है!

अपराध रूपी नाग कहीं भी अपना फन उठा सकता है।

कहीं भी बह सकता है वतन के गद्दारों के हाथों निर्दोषों का लहू — और---

कहीं भी मिल सकते हैं मानवता के दुश्मन, समाज के दुश्मन —

!

!

और अब भी, जहाँ भी, जिस भी वक्त होता है ऐसा।

?

लेखक ☆ टीकाराम सिप्पी

संपादक ☆ विवेक मोहन

चित्रांकन ☆ द्रोणा फीचर्स

ajay

DRONA FEATURES, '94

तो---

उठता है उनके खिलाफ एक हाथ।

?

!

और उस गोल छिद्र वाले हाथ से हो कर गुजरती है अति वेग से वायु -

व्हीश!

वायु की वेगशीलता उखाड़ देती है जुर्म की दलदल में जमने वाले दरिन्दों के पांव -

!

इतने वेग से आंधी का सा झोंका अचानक कैसे आया?

अरे।

!

तब -- हां तब अपराधियों के दिलों में मच जाती है हलचल -

कौन है ये--?

बेचैन हो उठते हैं -- वे अपने शत्रु का नाम जानने के लिए।

किसमें है हिम्मत हमसे टकराने की?

धड़धड़ाता हुआ जब वही हाथ उनको रात के तारों के साथ चांद भी दिन में दिखा देता है।

आने वाले फरिश्ते का परिचय पाने को तरस उठी थीं -- इनकी भी आंखें --

कौन है यह मसीहा? जो अचानक ही मेरी रक्षा के लिए अवतरित हो गया है।

DRONA.

वेगा

आज तो तुम्हारे दिल में भी इस महानायक का परिचय जानने की लहर दौड़ रही है। –

ओफ़!

आखिर कौन है यह---?

यह है---

भड़!

अपने दिमाग की किताब में तुम अच्छी तरह लिख लो, अपराधियों मेरा नाम - क्योंकि--

- अगर आज के बाद तुम्हारे गले के नीचे ईमानदारी व मेहनत की कमाई रोटी की बजाए, हराम के निवाले निगले, तो न तो वह गला रहेगा, न ही गले वाले!

धाड़!

आह!

यह है कामिक्स की दुनिया का महानायक वेगा! और यह वेगा की चेतावनी है - संसार के हर अपराधी, हर पापी, हर दोषी के लिये। आपको भी याद रहे यह चेतावनी और यह नाम! क्योंकि पता नहीं कब - आपके शहर में भी आजाए वेगा! और शहर से दिलों में!

चाकुओं के वश के बाहर हो गई जब बात तो -

हा-हा-हा..वेगा.. चाहते तो नहीं थे कि हमारी रिवॉल्वर इस सन्नाटे की चादर को तोड़े।

परतूने एकाएक ही आकर अपने घूंसों के जो दाग हमारे चेहरों पर छोड़े हैं.. वह अब तेरे खून से ही धुलेंगे।

BRONA

रिवॉल्वरों से निकल पड़ा शोलों का तूफान -

!

धांय!

धम!

धांय!

धांय!

धांय!

धांय!

धांय

मगर..अब, वहां, कहाँ था वह,...जहां, एक पल पहले था वह,..अब तो वह छलावा नजर आ रहा था, हवा में।

!

!

लगता है, धरती से तुम्हारा बोझ कम करना ही पड़ेगा!

अभी तो हमारे बीच था..आकाश में कैसे उड़ गया?

वेगा की खुली हथेली में से गुजरती हवा के विस्थापन ने उसकी गति को रॉकेट सा बनाया -

- फिर वातावरण में लहरा उठीं दर्द भरी घायल चीखें -

आह!

अब तुम्हारे हाथ मुझसे एक वादा करेंगे!

ऑफ

BULL

हाय!

हां, वादा करेंगे। मुझसे हाथ तुम्हारे कि -- फिर कभी कोई हथियार नहीं उठाएंगे हम।

!

फिर कभी नहीं लूटेंगे किसी की अमानत!

और -- फिर कभी नहीं फैलाएंगे - आतंक।

फिर कभी कोई अपराध नहीं करेंगे हम!

आह!

ओह!

हाय!

!

-अपराधियों के कलेजे कांप उठे थे!

जवाब -- दे -- करेंगे नवादा?

हां, मेरे बाप हां!

शाबाश!

माफी!

हां वादा करते हैं हम, कि आज के बाद -- हम जुर्म से तौबा करते हैं।

तौबा! हमारे बाप! हमारी --- तौबा --!

हमारे बाप की तौबा!

यह था वेगा का अति क्रोधित रूप। जिसे देखकर --

उसी वक्त.. कहीं दूर--आकाश की शांति को भंग कर रही थी हैलिकॉप्टर की गड़गड़ाहट -

टारगेट आ गया डाऊन!

तारा अनुसंधान केंद्र

WAR-WHEEL-IX

DRONA-94.

एक जबाह पटक सा दिया वह विशाल, अजीबो-गरीब ड्रम-

तारा अनुसंधान केन्द्र

WAR-WHEEL-IX

और चले गए हैलिकॉप्टर!

देखते ही देखते उस आश्चर्यजनक ड्रम के आस पास लग गई विशाल भीड़।

यह क्या है?

?

!

क्या है यह?

तारा अनुसंधान

भीड़ में शामिल थे देश के दिग्गज दिमाग वाले साईंटिस्ट, व उन साईंटिस्टों के सुरक्षा गार्ड! हथियारों से सुसज्जित।

क्लिंच! क्लिक!

'वार-व्हील' के खुल गए पट-

WAR-WHEEL-IX

किर्र! क्लंच!

झांकने लगीं आंखें!

और .. भड़क उठे अंगारे उन गनों की नालों से!

तड़ तड़ तड़ तड़ तड़...

WAR-WHEEL-IX

तड़ तड़ तड़ तड़ त

आह!

ओफ़!

हाय!

आह! ओह!

मरे!

भागो! मर

किसी को सिवाय चीखने के कुछ करने का अवसर नहीं मिल पाया!

चारों तरफ खून और मांस के लोथड़े उछल पड़े-

भागो

शोलों का तूफान चलता रहा-

तड़ तड़ तड़

तड़ तड़ तड़

तड़ तड़ तड़

WAR-WHEEL

मरने वालों की विनती करने के लिए भी कोई नहीं

था वहां -

आह!

हाय!

तड़-
तड़-
तड़ तड़
तड़

एक पल में उस रक्तिम नरसंहार में सैकड़ों लाशें बिछ गईं।

लाशों को कूड़े की भांति कुचलता, धकेलता आगे बढ़ा-'वार व्हील'-

इमारत की मजबूती दम तोड़ गई 'वार-व्हील' की चढ़ाई के आगे-

धड़ धड़ धड़

प्रलय--तबाही--विनाशकारी और विध्वंसकारी वह 'वार-व्हील' मटियामेट करता चला गया उस अनुसंधानकेंद्र का अस्तित्व।

ईंट-ईंट बिखर गई उसकी-

धड़ाम!

WHEEL-IX

मलबे के ढेर से भागी एक आकृति-

!

DRONA.

आकृति के पीछे चल दिया 'वार-व्हील'!

हा-हा-हा--डाक्टर गोशा भागा--कितना भागता है। बच सकता है तो बच

WAR-WHEEL

पसीने से तरबतर हो चुका था गोशा का बदन, लेकिन अपने पांव न रुकने दे रहा था वह-

WAR-WHEEL-IX

हम्फ--हम्फ--हम्फ--मैं इनके हाथ कभी नहीं लगूंगा।

Uploaded for RFN Community

'वार-व्हील' से सनसनाती गोलियां उसकी मौत बन कर पीछा कर रही थीं-

काश--काश--वेगा--होता--यहां।

- और वह था कि---मौत को चकमा देने की हर चंद कोशिश में लगा था।

पलक झपकते ही हवा को राकेट सी गति से काटता नज़र आया वह इंसान।

नहीं जालिमों, इस बिखरे हुए खून के एक एक कतरे का हिसाब लेगा तुमसे - वेगा।

धड़ाम!

जबरदस्त ठोकर लगी 'वार-व्हील' पर -

हवा में उड़ता नज़र आया 'वार व्हील' का अग्रभाग-

और एक जोरदार झटका लगा - वेगा के मस्तिष्क को।

सिर्फ तार हैं यहाँ!!

तड़-तड़ तड़ तड़!

सावधानी से उखाड़ ली -- वेगा के हाथों ने एक गन।

और उड़ा दिए परखच्चे उसने अन्य गनों के।

तड़-तड़-तड़

सवार तभी अचानक-

हा-हा-हा! सिर्फ गनें नहीं यहां मैं भी हूँ वेगा --- लेज़रमैन।

जेंग...!

तड़ाक

!

वेगा-- बचो।

तब वेगा की मुट्ठी खुल गई उस ओर -

- नज़र आने लगा बस में एक छेद।

और उस छेद में जड़े पॉवर रिंग में द्रुत गति से समाई वायु- जब तूफानी झोंके की शक्ल में निकली दूसरी ओर तो-

ओफ़!

भूऽऽ..भूऽऽ...

- उखड़ गए पांव लेज़रमैन के भी।

DRONA-94

पर गिरते गिरते मीलेज़र मैन ने छोड़ ही दी एक लेज़र किरण-

तेरी मौत - का पैग़ामलेकर आ रही है मेरी डैथ लेज़र।

मगर चीते सा फुर्तीला वेगा --- अब सावधान था -

धाड़!

ओह गॉड -- अगर यह किरण मेरे जिस्म से - टकरा जाती तो मेरे भी इसी तरह परख़च्चे उड़ा देती।

K-WHEEL - IX USA

इधर -- जैसे ही लेज़र मैन को दिखा डाक्टर गोशा-

बला की ताकत से एक पल गंवाए बिना वेगा के हाथ हरकत में आए -

नहीं, गोशा का नसीब इतना बुरा नहीं है अभी कि मौत ---

GOSHA ! NOW YOU WILL K,LL

ज़िंग!

! ...छू भी सके।

धन

?

ज़िंग!

DRONA FEATURES.

अचानक वेगा का मस्तिष्क सोचने लगा कम्प्यूटर की भांति, और-

लेज़रमैन की लेज़र किरणों का असर पहिए की धातु पर नहीं हुआ--यानि यह व्हील उस किरण का तोड़ हो सकता है।

पलभर बाद ही वेगा की शक्ति का बेजोड़, अविश्वसनीय नमूना पेश था-

लेज़रमैन। मैं समझ गया कि ये पहिए--- आर्मप्रूफ धातु के बने हैं!

सांसें थम गईं -लेज़रमैन की-

जिम

!

लेज़रमैन की लेज़र किरणें छूटीं तो ज़रूर, पर पहिए की धातु पर बेअसर रह गईं थीं - गर्म तवे पर पड़ी पानी की बूंद जैसीं।

फिर गूंज उठी वातावरण में दिल दहला देने वाली चीख--

आ.ऽऽऽ

---लेज़रमैन की!

बोल कमीने--किसका हुक्म बजा रहा है तू- कौन है वो शैतान, जिसके इशारे पर तूने यहां खून का दरिया बहा दिया।

तत्काल ही हट गया--वेगा--वर्ना आकाश से उतरी गोलियां उसे छलनी बना देतीं!

तड़-तड़-तड़-तड़।

DRONA

एक झटके में पहिए के नीचे से -- उखाड़ ली वेगा ने सूतलेज़र मैन की कलाई -

कटी कलाइयों पर चढ़े आर्म सेट का बटन दबाया -

जिंग!

फूट पड़ी- एक-एक किरण-

आकाश में पक्षी-से परवाज़ करते कॉप्टरों की शामत आ गई उन किरणों के वार से -

धड़ाम!

भड़!

गड़ गड़ गड़

बड़ाम!

तबजा कर चिंता के बादल मिटे थे डाक्टर गोशा के चेहरे से -

THANK YOU VEGAA!

मगर गोशा ये लोग कौन थे जिन्होंने तुम्हारे इस अनुसंधान केन्द्र का कण-कण बिखरा दिया--!

क्या चाहते थे ये इन लाशों का -- अम्बार लगा कर?

गोशा के स्वर में दुनिया भर की गम्भीरता सिमटी थी -

कल मेरे पास एक रहस्यमय फोन आया था।

-फोन उठाते ही--मैं उछल पड़ा-'

क्राईम वर्ल्ड का बादशाह टर्मिनेटर --तुम्हारे नये प्रयोग की सफलता के लिए बधाई देता है - डाक्टर गोशा!

कौन सा- प्रयोग- कैसा प्रयोग?

हा-हा-हा! डा. गोशा--उस प्रयोग का नाम है 'वेगा'-- यानि - व + ऐ + ग + आ - वेगा! अर्थात् ---

व: वायु में
ऐ: ऐच्छिक* गति से
ग: दमन करने वाला
आ: आदमी

!

* : ऐच्छिक : इच्छानुसार, मनचाही

उसे वेगा के नाम की थ्योरी पता थी -- यह मेरे लिये हैरानी की बात थी।

तुम्हें कैसे पता चला?

बेकार की बातें छोड़ो गोशा काम की बात करो -- मुझे ये तीन चीजें चाहिए। पहली वेगा -- दूसरी तुम और -- तीसरी वह डायरी, जिसमें वेगा के निर्माण का तुमने फार्मूला लिखा है।

पर -- मैं जानता हूँ तुम पक्के देशभक्त हो, अतः इन तीनों को तो हरगिज नहीं दोगे। -- फिर मैं में तुमसे इनतीनों में से कोई एक चीज मांगता हूँ। वह डायरी, वेगा या स्वयं तुम। जो भी तुम चाहो। कीमत तुम्हारी मुंह मांगी होगी डा. गोशा।

सुनकर मेरे मस्तिष्क में विस्फोट सा हुआ।

पर मेरा जवाब भी कम धमाके दार न था।

वेगा के निर्माण में मैं अपने एक भाई को पहले ही शहीद कर चुका हूँ -- इससे तुम अंदाज़ा लगा सकते हो टर्मिनेटर कि वेगा मेरे जीवन की वह अमूल्य पूंजी है जिसकी कीमत तुम सारी दुनिया की दौलत भी दो तो कम है।

रही -- मेरी अपनी, और उस डायरी की कीमत -- तो तुम यह जान लो कि दुनिया में बहुत सी चीजें ऐसी होती हैं जो बिकाऊ नहीं होती।

उधर से गूंजने वाला स्वर अत्यंत खूंखार हो उठा-

डाक्टर गोशा -- जो चीजें बिकाऊ नहीं होतीं उन्हें या तो क्राईम वर्ल्ड का कोई बादशाह छीन लेता है, या फिर नष्ट कर देता है! यह याद रखना। गुड बॉय गोशा।

और यह चारोंतरफ बिखरी लाशें उसी फोन का प्रकोप है!

गोशा उन लोगों को मैं पाताल से भी ढूंढ कर निकालूंगा जो इस -- भयानक नरसंहार के जिम्मेदार हैं और मैं खुद उन्हें सजा दूंगा।

उधर कही, अपनी हार होनेपर भी किसीके ठहाके गूंज रहे थे -

मेरे ये 'प्रोटो-टर्मिनेटर' जिस दिन वेगा पॉवर पालेंगे, उस दिन मेरी मुट्ठी मे स्वय आजाएगा सारा संसार।

हा-हा-हा! हार नही, यह जीत है मेरी। -- कि मेरी भेजी फोर्स का एक भी आदमी वेगा ने जिन्दा नही छोड़ा.. क्योकि अगर वेगा उनसे हार जाता तो मैं वेगा को पाने का सपना ही छोड़ देता! और अपने प्रोटोटाईप इसानो को खुद ही तबाह कर देता -- जिन्हें मैं 'वेगा' पॉवर देने का ख्वाब देख रहा था।

सिवाए उड़ने के मेरे प्रोटो-टर्मिनेटर सब कुछ कर सकते हैं - और अब वक्त आगया है ---

- इन खतरनाक दर्दविहीन --- प्रोटो-टर्मिनेटरो को प्रयोग में लाने का समय -- यह स्वयं लाएंगे मेरे लिए वेगा को -- या उसे खत्म कर देंगे और फिर---

अधूरा वाक्य छोड कर ठहाके लगा उठा वह।

और फिर मैदान में आगए
-- प्रोटो-टर्मिनेटर --

तड़!
तड़!
तड़!

तड़-तड़-तड़
तड़-तड़-तड़
तड़-तड़-तड़

-और आते ही मचादी हलचल-- उनकी गनों की गोलियां बार बार कर रहीं थीं एक सवाल-

एक ही सवाल--

कहां है वेगा?

तड़-तड़ तड़ तड़ तड़ तड़ तड़

वेगा!

वेगा!

कौन वेगा?

आह!

आह!

कौन बताता कहाँ है वेगा?

आ..sss..ह!

किसने जाना था, अभी वेगा को -?

यही अनजानापन बन गया था उन- का दुर्भाग्य आज -

I DON'T KNOW VEGAA.

तड़ तड़ तड़ तड़

और वेगा ---!

कान खड़े हो गए उसके। सुनने लगा वह हवा में खामोश हलचल।

क्या हुआ वेगा ?

वायु की तरंगो में उत्पन्न थरथराहट बता रही है -- मुझे कि - कहीं पर गोलियां चल रही हैं गोशा।

खुली हथेली की पावर रिंग में रखा अपना लिबास निकाल लिया उसने -

फिलक!

और फिर -- हां फिर -- वहीं पवन की गति से उड़ता नज़र आया - वेगा ---

टर्मिनेटर -- यानी हमलावरों की गने अभी भौंकने जा रहीं - थीं -- शोलो की बाद --

उनके दिमागी - कम्प्यूटर में बस एक ही सवाल था -

कहाँ है वेगा ?

सावधान हो जाओ। आ रहा है वेगा -- तुमसे तुम्हारे जुल्म का हिसाब लेने। -- सावधान।

DRONA-94.

अचानक कौंधी बिजली सी-

आ गया तुम्हारे सवाल का जवाब! तुम्हें मौत का उपहार देने!

उफ़!

उन्हीं की धातु उठा कर प्रलय ढाता चला गया ... वेगा!

तड़-तड़-तड़!

तड़तड़तड़

तुमसे निपटने के लिए मैं तुम्हारे ही हथियारों का प्रयोग करूंगा!

-पर शोलों के तूफान का कोई रंग न चढ़ा प्रोटोटर्मिनेटरों पर

गोलियों से छलनी हो गए इनके शरीर पर अभी भी जिन्दा हैं ये!

हा-हा-हा! हम प्रोटो-टर्मिनेटरों से कुछ भी नहीं जीत पाएगा वेगा!

हम तुम्हें लेने आए हैं, और ले कर जाएंगे-- वेगा!

वेगा के हाथ की 'आंधी-शक्ति' भी असफलता का मुंह देख रही थी -

एक्सर पॉवर भी इनके कदम नहीं रोक पा रही!

हा-हा-हा!

हा-हा-हा। कहा न तेरी एक भी न चलेगी हमारे आगे, क्योंकि हम हैं प्रोटो टाइप टर्मिनेटर। हा-हा-हा-हा।

हा-

धड़!

न हम में जान है। न हमें दर्द होगा।

उन घूसों का इरादा तो वेगा को बेहोश करना था -

हमें चाहिए तू---!

आह!

मगर ऐसा हुआ नहीं। वेगा ने उत्पन्न की 'चक्रवात शक्ति' *

चक्रवात शक्ति अवश्य अवश्य इन्हें अपने में फँसा ले उड़ेगी।

* चक्रवात : हवा का बवंडर , साईक्लोन

अरे!

हे!

ऽऽऽऽऽ

धड़ाम!

साईक्लोन में फँसे, ऊपर उठते चले गए तीनों। -- यानि सफल रही वेगा की - साईक्लोन पॉवर!

DRONA FEATURES

चक्रवात चमा तो पके आम से टपकने लगे- उनके शरीर नीचे-

!

!

धड़ाम!

धड़ाम!

रबना के

दर्द विहीन फोटोटाइप टर्मिनेटर बिना चीखे मारे ही शहीद हो गए।

आओ शैतानों! तैयार खड़ा है वेगा, तुम्हारे स्वागत के लिए!

तुम जैसों का, ऐसे ही स्वागत करता है वेगा।

आकाश में नज़र आया उसी वक्त एक हैरतअंगेज़ नज़ारा-

हा-हा-हा! वेगा! तेरी अनुपस्थिति का लाभ उठा कर न सिर्फ मैंने गोशा की डायरी प्राप्त कर ली है, बल्कि डाक्टर गोशा को कैद भी कर लिया है!

!

DRONA. 1992

बेचैन हो उठा था वेगा भी-

मेरी पलाईंग रेंज से काफी ऊपर उड़ रहा है! यह स्काई सर्ज और मैं सिर्फ सौ फुट तक की ऊँचाई तक ही उड़ सकता हूँ--उफ़! अब मैं क्या करूँ?

!

गोशा की जान खतरे में है!

वेगा! इस नीच-- पापी के शिकन्जे से निकालो मुझे!

तभी स्काई सर्ज की स्पीड बढ़ी---- धुंआ तेज़ी से छूटा-

खों-खों-खो उफ़-- इस स्काई सर्ज का धुंआ तो मेरा दम घोट रहा है!

!

और बेशक खतरे में थी- गोशा की जान!

आस-पास कुछ ढूंढने लगीं उसकी नज़रें -

रस्सी !

और-

सबसे पहले गोशा की जिंदगी का सवाल है--मेरे सामने ...

लहराई रस्सी फंदे के रूप मे --

यह मेरे उड़ने की--ऊंचाई है!

गोशा-- मै आ गया हूँ। आप चिन्ता न करें।

बस, एक झटका काफी है - नीचे लाने के लिए।

DRONA 94.

जैसे ही नीचे आया स्काई सर्ज -

गोशा को थाम लिया -- वेगा ने।

उफ़! - इसने तो मेरा स्काई - सर्ज ही खींच लिया। - काश ---! वेगा मेरे लिए काम करता तो मैं सदा इसकी पूजा करता!

DR. KLEIN FACTORY

गोशा। आप ठीक तो है न?

स्पीड बढ़ा दी टर्मिनेटर ने स्काई सर्ज की, फलतः

खटाक!

वेगा। वह जासिम टर्मिनेटर बचना नहीं चाहिए।

एक पल में आजाद -- खड़े थे डाक्टर गोशा --एक इमारत पर-

!

गोशा! आप यहीं ठहरिए। अब वह इस धरती पर जीते जी तो कदम नहीं रखेगा।

आते हुए वेगा को देख चुकी थीं - टर्मिनेटर की भी आंखें -

ओह। यह फिर आ गया - अब इससे पहले कि यह मुझे मौका पाते ही मौत के हवाले कर दे --

नुर्मके नशा तेरा फन अब कुचल कर ही लौटूंगा मैं।

-- मैं इसे मौत का मुंह दिखा दूंगा --!

JRDNR.

Ankur's Upload

हा-हा-हा! वेगा-- कभी हवा में बर्फ की सिल्ली बनती देखी है तूने-- देख! मैं - दिखाता हूं!

एक लीवर दबाया टर्मिनेटर ने और -

आनन फानन में [illegible] वाष्प कणों को [illegible]

धाड़!

ओफ!

उफ!-- सचमुच विज्ञान के मामले में यह भी कम नहीं है डा. गोशा से!

मगर अब वेगा--आती हुई उन बर्फीली सिल्लियों से बच रहा था -

हा-हा हा! कब तक बचेगा वेगा! मेरे पास हथियारों की कमी नहीं है!

टर्मिनेटर ने झूठ नहीं कहा था---

यह देख! दूसरा कमाल वेगा--- मैग्नेटिक चैन!

लिपटती चली गई वेगा के फौलादी सीने पर वह फौलादी चेन -

अब बोल वेगा! तुझे अपने साथ ले जाऊं या --अपनी सोलर गन से तुझे मौत दे दूं?

तू मुझे क्या मारेगा!

वेगा ने खुद से लिपटी ज़ंजीर को विशेष अंदाज़ में झटका दे कर खींचा -

टर्मिनेटर! --तूने स्वयं वेगा के हाथ मे देदी अपनी जीवन डोर!

उलट गया स्काई सर्ज .. नीचे आ गिरा टर्मिनेटर --

धांय!

ओह!

बस्स -- अब दोनो की स्थिति एक सी थी -- स्काई सर्ज उलटा होने पर भी उड़ रहा था -- और उस से झूल रहा था टर्मिनेटर -

ग.ज.-ज़-ऊ-ऊं.ऽऽऽ!

अब ठीक -- टर्मिनेटर -- अब तू भी बंधा लटक रहा है स्काई सर्ज से, मैं भी -- और हममे से धरती पर एक की लाश गिरेगी - यहा से!

और वह लाश होगी तेरी वेगा -- सिर्फ तेरी। क्योंकि अब मेरे पास वह डायरी है, जिसमे लिखे हुए फार्मूले से मैं तेरे जैसे सैकड़ों वेगा बना सकता हूँ।

DRONA

DRONA 1994

तराजू के दो पलड़ो की तरह -- दोनों लटके हुए थे -- खुले आकाश मे।

महराया जिस्मवेगाका –

नहीं, डायरी तो निकलवानी है मुझे तेरे हाथो से --- टर्मिनेटर।

धड़ाक!

ओह!

कम-- टर्मिनेटर भी कहाँ था –

वह डायरी मेरी लाश की जेब से ही निकाल सकता है तू वेगा--मेरे जीते जी कभी नहीं।

धड़!

उफ़!

तो--तेरा क्या खयाल है तुझे जिन्दा छोड़ दूंगा मैं.

भड़!

तभी स्काई सर्जको झटका दिया टर्मिनेटर ने।

यही मौका है इस पर ऐसा वार करने का, जो यह सोच भी नहीं सकता।

-और वेगाको लगा कि गाज गिरी है उसके सिरपर -

- चीख उठा वह दर्द से -

धड़ाक!

- और हो गया-- बेहोश!

Uploaded for RFN Community

बैल्ट पकड़ कर ऊपर चढ़ता चला गया अगले पल टर्मिनेटर -

शीघ्र ही -

हा-हा-हा!--अब वेगा के बेहोश जिस्म के लहु के रंग से रंगा दूंगा हर ऊंची इमारत की दीवार!

धड़ाक!

DRONA.94.

उस इमारत पर अभी भी खड़े -- डाक्टर गोशा की नजरें आश्चर्य से फट गईं!

धाड़!

SSSS

DRONA PH:77799

एक चीख निकल गई उनके मुंह से -- अपने वेगा का यह हाल देख कर!

- कह कहों पर कहकहे लगाता जा रहा था टर्मिनेटर -

ओह! डाक्टर गोशा!-- देख गोशा--तेरे अरमानों की कैसे अर्थी निकाल रहा हूं मैं! हा-हा-हा!

होश में आओ वेगा! --वरना तुम्हारी लाश गिरा देगा वह!

उफ़!--खून से नहाया वो चेहरा--शायद आ गया था होश में -

वेगा! खत्म कर दे - उस जालिम को --- टुकड़े टुकड़े बिखेर दे उसके!

हा-हा-हा! येमुम्के क्या मारेगा-- गोशा-- अब मैं ही इसेके जीवन की किताब का अंतिम पृष्ठ फाड़ने जा रहा हूँ! इसके जिस्म को उस सामने वाले विद्युत संयंत्र से टकराकर! हा-हा-हा-हा! 25000 वोल्ट!

!

2500 VOLT

ढाई हजार वोल्ट पावर की क्षमता रखने वाले उस विद्युत संयंत्र से टकराने का सिर्फ एक ही -

- मतलब था... मौत। और वेगा भी जानता था इस मतलब को!

घर्.ss...!

OH NO!

हवा में उछल उठ पकड़ लिया वेगा ने स्काई-सर्ज का कोना, मगर --

क्यों? जिंदगी के लिये.. तड़प रहा है वेगा.. या मौत से डर लग रहा है? हा-हा-हा!

- चंद पल का फासला और था बस - वेगा की मौत में --

हा-हा-हा-हा! वेगा बाय-बाय! चार सैकिन्ड बाद ही तुम्हारा जिस्म ढाई हजार वोल्ट की -- विद्युत धारा का स्पर्श पा भस्म हो जाएगा!

अह!

क्या ऐसा ही होना था - वेगा का अंत?

मौतके उन आखिरी क्षणों में कर गया वेगा--एक हरकत।

धाड़!

अब तो यही आखिरी कोशिश है-जो की जा-- सकती है।

- जो बहुत भारी गुज़री टर्मिनेटर पर -

ओफ़!

नीचे सेलगी तीव्र झटके ने उछाल दिया था आगे - - - - टर्मिनेटर को--आखिर-शिकारी फँस गया था अपने ही जाल में।

और-- फुर्ती से वेगा ने स्वयं को सटा लिया स्काई सर्ज से -

टर्मिनेटर! अब बोस किसकी किताब के पन्ने पूरे हुए!

नहीं-S.S.S.S.S.....

जबकि लटके हुए टर्मिनेटर के पास इतना वक्त कहाँ था-

-- कि वह कुछ सुन सके या सोच सके। मौत ने ज़रा सी भी मोहलत नहीं दी थी उसे - वातावरण में गूंजती चली गई थी उसकी चीख -

आह.....

हार्ड हजार बोल्ट के करंट ने एक भी क्षण न लगाया था भस्म करने में।

भक्क!

Ankur's Upload

अबतक वेगा स्काई सर्ज पर पहुंच कर आजाद हो चुका था -

गोशा -- टर्मिनेटर मारा गया -- मर गया - खून का दरिया बहाने वाला गोशा। लोगों की जिंदगी से खेलने वाले का खुद अपना खेल खत्म हो गया!

स्काई सर्ज का रूख एक दीवार की ओर कर निकल आया वेगा -

धा ड़!

अब यह स्काई सर्ज भी नष्ट हो जाना चाहिए!

खुशी से आंसू छलक उठे गोशा की आंखों में --

वेगा -- तुम महान हो। तुमने मेरी लाज रख ली वेगा। तुम दुष्टों -- का काल और मासूमों की ढाल हो।

महान वेगा -- विजयी वेगा -- आ रहा है -- मानवता और समाज के शत्रुओं को खुला चैलेंज देता हुआ -

सावधान हो जाओ -- अपराधियों। आ रहा है -- वेगा!!

DRONA.94

खल्लास.